Dainik Bhaskar (Indore), 12th November 2025, Page – 04

आईआईटी इंदौर में एमएसएमई आईपी सुविधा केंद्र शुरू

पेटेंट दिलाने में मदद के साथ ही फीस भी होगी रिफंड

भास्कर संवाददाता | इंदौर

मप्र के सभी नए पेटेंट के दावों को सरकार के समक्ष लगाने और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए आईआईटी इंदौर में इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी फैसिलिटेशन सेंटर की स्थापना की गई है। इसकी मान्यता भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा एमएसएमई इनोवेटिव स्कीम के अंतर्गत दी गई है। इसके तहत अब पेटेंट में मदद दिलाने के साथ ही फीस भी रिफंड हो सकेगी। इस सेंटर को लेकर इंदौर और आसपास के जिलों में इसे लेकर शोधकर्ताओं और उद्योगों को जागरूक भी किया जाएगा। वैसे इसकी शुरुआत पिछले महीने हुई थी।

ये सेंटर आईआईटी इंदौर में एक क्षेत्रीय केंद्र के रूप में कार्य करेगा, जो इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी के प्रति जागरूकता, संरक्षण और व्यावसायीकरण को बढ़ावा देगा। यह स्टार्टअप्स, एमएसएमई, उद्यमियों और नवाचार को सशक्त बनाएगा। इस सेंटर पर आईपी से जुड़ी सारी सेवाएं दी जाएंगी, जिसमें मुख्य रूप से पेटेंट लायक तकनीक खोजना, पेटेंट एप्लीकेशन की ड्रॉफ्टिंग, फाइलिंग, लिटिगेशन और फाइलिंग के बाद की सेवाएं शामिल हैं। साथ ही पेटेंट, ट्रेडमार्क, औद्योगिक डिजाइन और जीआई टैग लेने में आने वाले सरकारी खर्च की प्रतिपूर्ति भी इस सेंटर के माध्यम से की जाएगी।

झाबुआ-आलीराजपुर व आसपास के जिलों में देंगे प्रशिक्षण- प्रारंभिक चरण में आईपी जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम इंदौर तथा आसपास के जिलों झाबुआ, आलीराजपुर और बड़वानी में आयोजित किए जाएंगे। इनका उद्देश्य एमएसएमई, स्टार्टअप्स और शैक्षणिक संस्थानों में इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी की समझ विकसित करना और जमीनी स्तर पर आईपी को अपनाने को प्रोत्साहित करना होगा। आईआईटीआई दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आदित्य व्यास ने बताया इस केंद्र द्वारा व्यावसायीकरण, लाइसेंसिंग और टेक्नोलॉजी ट्रांस्फर में भी सहायता की जाएगी। साथ ही आईपी पोर्टफोलियो प्रबंधन और रिन्युअल में भी सहायता प्रदान की जाएगी।